नईदुनिया

इंदौर, गुरुवार 26 मई 2016

रोमांस स्कैम - यूं दांव पर होती है इज्जत और जिंदगी

साइबर वर्ल्ड में उन लोगों के लिए भी बहुत जोखिम है जो ऑनलाइन प्यार की तलाश में हैं। आमतौर पर ऐसे लोग लंबी या छोटी अवधि की दोस्ती या रिश्तेदारी खोजते हैं। लंबी अवधि का रिश्ता वह होता है, जहां शादी का वादा किया जाता है और उसे निभाया जाता है। वहीं, कम समय वाले रिश्ते शारीरिक जररूतों और संपर्कों पर आधारित होते हैं। साइबर वर्ल्ड में कोई भी शख्स शारीरिक तौर पर आपके सामने मौजूद नहीं रहता है। यही कारण है कि हम प्राय: फरेब करने वालों के जाल में फंस जाते हैं। ये अपराधी प्यार के नाम पर लोगों से कपट करते हैं और उन्हें ब्लैकमेल करने की कोशिश करते हैं।

वरुण कपूर
आईपीएस

अहमदाबाद की एक केस स्टडी से यह बात बिल्कुल साफ हो जाएगी। यहां एक अधेड़ महिला, जो एक बच्चे की मां भी है, वॉट्सएप के जरिए साइबर ब्लैकमेलिंग करने वाले का शिकार हो जाती है। महिला एक वॉट्सएप ग्रुप की सदस्य थी और वहीं उसकी पहचान एक अन्य सदस्य से हुई। महिला ने उस शख्स के साथ वॉट्सएप ग्रुप से बाहर भी चैटिंग शुरू कर दी। इस बातचीत के दौरान अपराधी ने महिला का विश्वास जीत लिया। वह उस पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने लगी। इस तरह छह माह बीत गए। इसके बाद पुरुष ने महिला को निजी और खुले कपड़ों वाले फोटो भेजने के लिए कहा। महिला ने ऐसा ही किया। उसी पल से अपराधी ने महिला को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। वह धमकाने लगा कि ये तस्वीरें वह उसके पति और बेटी को भेज देगा। वह पैसे मांगने लगा और नहीं देने पर तस्वीरें फेसबुक पर जारी करने की धमकी देने लगा। महिला ने अपनी लाज बचाने के लिए ब्लैकमेलर के खाते में डेढ़ लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए। इससे कुछ दिन तो अपराधी का मुंह बंद रहा, लेकिन थोड़े समय पर उसने फिर से नाजायज मांगें शुरू कर दीं। ये डिमांड्स ऐसी थीं जिन्हें पूरा करना महिला के वश से बाहर था। अब वह बहुत विकट स्थिति में है। अब उसके मन में आत्महत्या करने का विचार आ रहा है। कुल मिलाकर कितनी शर्म की बात है। किस तरह एक छोटी से गलती लोगों की जिंदगी बर्बाद कर देती है और उनके परिवार की प्रतिष्ठा दांव पर लग जाती है। आइए अब यह देखते हैं कि इस अभागी महिला ने क्या गलत किया और इस स्थिति से बचने के लिए वह क्या कदम उठा सकती थी। सबसे पहली बात तो यह कि महिला उस वॉट्सएप ग्रुप में जरूर थी, लेकिन वह उस ग्रुप के एडमिन को अच्छे से नहीं जानती थी। एडमिन ने एड किया और महिला गुप से जुड़ गई, वहां चैटिंग करती रही, जबकि उसके पास एक्जिट होने का विकल्प भी था। दूसरा- महिला ने ग्रुप के उस शख्स से दोस्ती बढ़ाई, जिसे वह असल जिंदगी में नहीं जानती थी। ग्रुप के अलावा भी उसने अनजान शख्स से वॉट्सएप पर चैटिंग शुरू कर दी। यह बहुत जोखिम भरा कदम है और जब तक कि आप असल जिंदगी में सामने वाले को नहीं जानते हैं, वर्चुअल वर्ल्ड में उससे दोस्ती गांठना बिल्कुल गलत है। इससे बचा जाना चाहिए। तीसरी और सबसे बड़ी गलती थी, महिला द्वारा अपने अश्लील फोटो भेजना। किसी भी परिस्थिति में कभी भी कम्युनिकेशन डिवाइस या कम्प्युटर के जरिए ऐसी तस्वीरें नहीं भेजना चाहिए। इसके बाद महिला ने अपने पैरों पर एक और कुल्हाड़ी तब मारी, जब उसने अपराधी के कहने पर उसके खाते में पैसा ट्रांसफर कर दिया। महिला को यह गलतफहमी हो गई थी कि पैसा देकर वह अपनी तस्वीरें वापस हासिल कर लेगी। शायद उसे पता नहीं था कि जब तस्वीरें इंटरनेट पर चली जाती हैं तो उन्हें पूरी तरह से हटाना संभव नहीं है। किसी न किसी रूप में, किसी न किसी वेबसाइट पर वे तस्वीरें मौजूद रहेंगी। बहरहाल, अब जाकर महिला को अपनी गलती का अहसास हो रहा है तथा वह एक और गलत कदम उठाने पर विचार मन में ला रही है।

अब सवाल उठता है कि उक्त महिला या इस स्थिति में फंसने वाली हर महिला को क्या करना चाहिए? पहली और सबसे बड़ी बात यह है कि महिला को यह महसूस नहीं करना चाहिए कि उसने कोई गलती की है। यदि किसी ने कोई गलती और गैरकानूनी काम किया है तो वह है सामने वाला शख्स। उसी ने महिला का भरोसा तोड़ा है और उसे ब्लैकमेल किया है। इसके बाद महिला में अपनी गलती मानने का साहस होना चाहिए। उसे जल्द से जल्द अपने पति से इस पर बात करना चाहिए।

इन बातों का रखें खास ध्यान

- रोमांस से जुड़े साइबर स्कैम समाज के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं
- आरोपी महिलाओं का विश्वास जीत कर उन्हें ब्लैकमेल कर रहे हैं
- हर शख्स से ऑनलाइन नजदीकियां न बढ़ाएं जिसे असल जिंदगी में नहीं जानते
- गलती होने पर तुरंत परिजन की मदद लें

अज्ञात के साथ शेयर न करें फोटो

यदि परिपक्व महिलाएं इस तरह अपराधियों के चुंगल में फ्रंसेंगी तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि इन डिवाइसेस का उपयोग कर रही युवतियां और कम उम्र के बच्चों पर कितना खतरा है? ऐसी वारदातें दिन-ब-दिन बढ़ रही हैं। आज रोमांस से जुड़े साइबर स्कैम समाज के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गए हैं। चंद दिनों की दोस्ती या संबंधों के धोखे से बचने का सबसे अच्छा रास्ता यही है कि इसके लिए साइबर वर्ल्ड का इस्तेमाल न किया जाए। अनजान लोगों को साइबर दुनिया पर दोस्त न बनाएं। ऐसे लोगों से ही नजदीकियां बढ़ाएं जिन्हें हम असल जिंदगी में जानते हैं। गोपनीय या इज्जत मिट्टी में मिलाने वाले फोटो अज्ञात के साथ (या किसी के भी साथ) शेयर न करें। इतनी सावधानियां बरतने के बाद भी यदि चूक हो जाती है तो सबसे अच्छा तरीका तुरंत ही परिवार के किसी बड़े सदस्य की मदद लेना है, ताकि कानूनी विकल्प तलाशे जा सकें।

(लेखक अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पद पर इंदौर में पदस्थ हैं और विचार उनके व्यक्तिगत हैं)
ईमेल: varunkapoor170@gmail.com